NaiDunia (Indore), 17th September 2025, Naidunia City, Page-IV

आइआइटी इंदौर में दो दिवसीय एग्रीकनेक्ट कार्यशाला

किसानों व आधुनिक तकनीकी के बीच दूरियां कम करने की जरूरत

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर : भारतीय कृषि को नई दिशा देने और किसानों को अत्याधुनिक तकनीक से जोड़ने के उद्देश्य से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी इंदौर) में मंगलवार को दो दिवसीय एग्रीकनेक्ट कार्यशाला रखी गई। यह कार्यशाला आइसीएआर-एनएसआरआइ इंदौर, आइसीएआर-सीआइएई भोपाल और सी-डैक पुणे के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई, जिसमें कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकी व नई कृषि पद्धति पर चर्चा की गई।

मुख्य अतिथि इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के संयुक्त सचिव केके सिंह ने कहा कि भारत की कृषि व्यवस्था की रीढ़ छोटे और सीमांत किसान हैं। तकनीक तभी सफल मानी जाएगी जब वह सीधे इन किसानों को सशक्त बनाए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मंत्रालय एग्रीहब जैसे मंच को पूरे देश में नवाचार का आदर्श माडल बनाने में पूरा सहयोग करेगा। वे कहते हैं कि वर्तमान समय में कृषि क्षेत्र में तेजी से बदलाव हो रहा है। नई-नई तकनीक की मदद से कृषि को आसान बनाया जा रहा है। इसकी तुलना में किसान अभी काफी पीछे हैं। अब नई तकनीकी के बारे में इन्हें बताना बेहतर जरूरी है। तभी तकनीकी और किसान के बीच की दूरी को घटाया जा सकेगा।

विशिष्ट अतिथि कृषि मंत्रालय डिजिटल एग्रीकल्चर के निदेशक रवि रंजन सिंह, सी-डैक पुणे की विज्ञानी लक्ष्मी पनत व आइसीएआर-एनएसआरआइ के निदेशक डा. कुंवर हरेंद्र सिंह ने विभिन्न बिंदुओं पर अपने विचार रखे। साथ ही डिजिटल कृषि, ज्ञान अंतराल को पाटने और समावेशी विकास के बारे में बताया। आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा कि तकनीकी संस्थान अब जमीनी स्तर पर किसानों के लिए उपयोगी नवाचारों को बढ़ावा दे रहे हैं। वे कहते हैं कि सिर्फ समाधान विकसित करना काफी नहीं है, उन्हें हर किसान तक पहुंचाना असली चुनौती है। कृषि क्षेत्र में नवाचार प्रदर्शन, उद्योग दृष्टिकोण, जीनोमिक्स व फेनोमिक्स आधारित फसल सुधार, ड्रोन तकनीक, एआई-आधारित रोग-कीट निदान विषय रहे।

आइआइटी इंदौर में कार्यशाला में इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के संयुक्त सचिव केके सिंह से चर्चा करते लोग • सौजन्य

कार्यशाला के प्रमुख बिंदु

- किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) और गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के साथ मिलकर एग्रीहब सहयोग को मजबूत करना।
- किसानों के लिए क्षमता निर्माण, उद्यमिता के अवसर और बाजार से जुड़ाव सुनिश्चित करना।
- डिजिटल तकनीक, एआइ/एमएल, ड्रोन और बिग डेटा एनालिटिक्स जैसी उन्नत तकनीकों को किसानों तक पहुंचाना।
- ऐसे समावेशी माडल तैयार करना, जिनसे तकनीक गांव और खेत तक पहुंचे।

यह भी रहा खास

- कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकी व नई कृषि पद्धति पर चर्चा
- नई तकनीक को किसान तक पहुंचाने पर दिया जोर